Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-853

M.A. (Final Year) Examination, (Distance Mode) June-2020

HINDI LITERATURE

Paper - IV

Rachanakaro Ka Vishesh Adhyyan : Surdas

Time : Three Hours

Maximum Marks : 70

Minimum Pass Marks : 21

नोट : **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं। सभी के अंक उनके समक्ष अंकित किए गए हैं।

Q.1. निम्नलिखित पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 3×10=30

क) हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ ।
समदरसी है नाम तुम्हारौ सोई पार करो ।।
इक लोहा पूजा में राखत, इक घर बधिक परो ।
सो दुबिधा पारस नहिं जानत, कंचन करत खरो ।।
इक नदिया एक नार कहावत, मैलो नीर भरो ।
जब मिलि गए तब एक बरन हवै, गंगा नाम परो ।।
तन माया ज्यों ब्रह्म कहावत, सूर सु मिलि बिगरो ।
कै इनको निरधार कीजिए, कै प्रन जात टरो ।।

ख) चरन कमल बन्दौं हरि राई ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कुछ दरसाई ।।
बहिरो सुने, गूंग पुनि बोले, रंक चले सिर छत्र धराई ।
सूरदास स्वामी कुरूणामय बार–बार बन्दौं तिहि पाई ।।

ग) अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल ।
काम क्रोध को पहरि चोलनो, कंठ बिषय की माल ।।
महामोह के नूपुर बाजत, निंदा सबद रसाल ।
भ्रम–भोयो, मन भयौ पखावज, चलत असंगति चाल ।।
तृष्णा नाद करत घट भीतर, नाना विधि दै ताल ।
माया को कटि फेंटा बाँध्यो, लोभ तिलक दियौ भाल ।।

Q.2. सूर जन्मान्ध थे? कथन की सतर्क विवेचना कीजिए। 10

Q.3. सूर का वात्सल्य वर्णन बेजोड़ हैं। कथन की सतर्क समीक्षा कीजिए। 10

Q.4. सूर पुष्टिमार्ग के जहाज हैं। कथन की सम्यक समीक्षा कीजिए। 10

Q.5. भक्तिआन्दोलन क्या हैं। सम्यक समीक्षा कीजिए। 10